I. Appropriation Accounts (1988-89), Railways, Part I and II.

II. Block Accounts Balance Sheets and Profit and Loss Accounts (1988-89) of Railways.

III. Report forthe year ended 31st March, 1989 (No. 10 of 1990) of the Comptroller and Auditor General of India.

SHRI JAGDEEP DANKAR : On behalf of Shri Anil Shastri, I lay on the Table, a copy each (in English and Hindi) of the following papers: -

I. (*i*) Appropriation Accounts, Railways, for the year 1988-89, Part I Review. [Placed in Library *See* no LT 927/90]

(*ii*) Approrpriation Accounts, Railways, for the year 1988-89, Part-II Detailed Appropriation Accounts. [Placed in Library. *See* No. LT 928 /90].

II. Block Accounts (including Capital Statements comprising the Loan Accounts), Balance Sheets and Profit and Loss Accounts of Railways for the year 1988-89. [Placed in Library *See* No. LT 929/90]

III. Report of the Comptroller and Auditor Genaral of India for the year ended 31st March, 1989 [(No. 1) of 1990) -Union Government (Railwaysl)], under clause (1) of aricle 151 of the Constitution. [Placed in Library. *See* No. LT 926 /90).

MOTION FOR ELECTION TO THE EMPLOYEE'S STATE INSURANCE CORPORATION

श्रम मंत्री (श्री राम विलास पासवान): महोदया, मैं प्रस्ताव रखता हूं :

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के . . . **(व्यवधान)** के खण्ड (4) के अनुसरण में यह सभा.. **(व्यवधान)** . . . उस रीति से, जैसा कि सभापति निदेश दें, **(व्यवधान)** . . . सभा के सदस्यों में से एक सदस्य को . . . **(व्यवधान)**

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra) : Madam, Meham is an important issu . We have to discuss that

THE DEPUTY CHAIRMAN : You were not in the House then. I have taken the sense of the House. When we are talking about the democratic process outside, we should not throw it to the winds inside the - House. We have certain business We have to do it. (*Interruptions*). Let us not make an issue of that. The House agreed. You may not be a party to it.

SHRI JAGESH DESAI - Madam, I take it very seriously. You should not have made the other comments.

THE DEPUTY CHAIRMAN : You cannot tell the Chair what comments it should make and what cmmonts it should not. Please mind your business.

SHRI JAGESH DESAI : No. No. I take very strong objection to this remark.

श्री राम विलास पासवान महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूं :

"कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (1) के अनुसरण में यह सभा, उस रीति से, जैसा कि सभापति निदेश दें, सभा के सदस्यों में से एक सदस्य को कर्मचारी राज्य बीमा निगम का सदस्य होने के लिए निर्वाचित करने की कार्यवाही करे"

The Question was put and the motion was adopted

REF TO THE COUNTERMADING OF BYE-ELECTION IN MEHAM DUE TO MURDER OF A CANDIDATE—*Contd.*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. J. P. Mathur.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : (Uttar Pradesh) : The BJP does not know which side to move to. -

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh) : At least, I donotmove towards Swamys. (*Interruptions*)....

महोदया, आज बड़े दुख का विषय है कि बार फिर से हमारे सामने चुनौती खड़ी है कि हम लोकतंत्र को इस देश में जीवित रख सकेंगे या नहीं रख सकेंगे। यह आज हमारे समक्ष चुनौती है। मेहम हो या पहले फतेहपुर की घटना हो, ये दोनों हमारे सामने चुनौती बनकर खड़े

हैं कि क्या ईमानदारी से, शराफत से और शांति से हम चुनाव होने देंगे या नहीं, होने देंगे । मैं किसी पार्टी या दल को दोषी नहीं ठहराना चाहता हूं । शायद हम में से हर एक हमाम मे नंगा है । लेकिन प्रश्न यह है कि इस प्रकार बार-बार स्थिति दोहराई क्यों जा रही है । मुझे और मेरी पार्टी को दुख है कि मेहम के अन्दर एक बार फिर दोबारा चुनाव रद्द करना पड़ा है । पहले भी दुर्घटना हुई थी, सौभाग्य से किसी की हत्या नहीं हुई थी, केवल धांधली के कारण चुनाव रद्द किया गया था । मेरी पार्टी ने और हमारी पार्टी के नेताओं ने मुख्य मंत्री श्री चौटाला को दोस्ताना सलाह दी थी कि उन्हें अपना त्याग-पत्र कर देना चाहिए । यह सलाह इसलिए दी थी कि इंक्वायरी बैठाई नहीं गई थी । एक निष्पक्ष इंक्वायरी होनी चाहिए थी । इंक्वायरी की गई और चुनाव आयोग ने की । लेकिन आज दूसरी घटना हो गई है । जिसमें एक आदमी की हत्या हो गयी है । हत्या किसी की भी हो, दुर्भाग्यपूर्ण है । लेकिन अगर उसके साथ कोई जुड़ा दिखाई देता है तो वह और भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण है । ऐसा लगता है कि जो हत्या हुई है उसके पीछे किसी न किसी का कोई राजनैतिक षड्यंत्र है । मैं नहीं कह सकता कि यह राजनैतिक षड्यंत्र कांग्रेस ने किया है या चौटाला ने किया है, दोनों दोषी हो सकते हैं . . . (व्यवधान) मैंने पहले ही कहा कि आप भी दोषी हो सकते हैं उधर से भी दोषी हो सकते हैं, चौटाला भी हो सकते हैं और डांगी भी दोषी हो सकते हैं. . . (व्यवधान)

श्री कमल मोरारका : (राजस्थान) यु कैन नोट से कि आप भी दोषी हो सकते हैं It is not as if these people have come from heaven. बी. ज. पी. भी दोषी हो सकती है, कांग्रेस भी हो सकती है और जनता दल भी हो सकता है Has BJP come straight from Heaven? Are they incapable of doing anything wrong? What kind of logic is this?..

बी.जे.पी. भी हो सकती है Madam, let it go on record.

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: Dangi is reported to be a dummy candidate of one of the giants of Janata Dal. It is a fight between two giants of Janata Dal.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया, समाचार पत्रों मे छपा है, मैं नहीं समझता कि कहां तक सच है कि श्री अमीर सिंह चौटाला जी के कवरिंग कंडीडेट थे।

अगर वह कवरिंग कैंडीडेट थे, कहा जाता है वह अपना नाम वापिस नहीं ले सके, किसी कवरिंग कंडीडेट को मारने की स्थिति पैदा नहीं होती । यह असम्भव है कि जो अपने खड़े किए हुए आदमी को मार दिया जाए । यह सम्भव दिखाई नहीं देता । लेकिन दूसरी तरफ यह कहा जाता है कि डांगी का षड्यंत्र था । डांगी को कांग्रेस (आई) सपोर्ट करती रही है, इसमें कोई दो राय नहीं है . . . . . **(व्यवधान)** ।

श्रीमती सत्या बहिन : चौटाला की जमानत जब्त हो रही थी उसको बचाने के लिए. . . **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : स्थिति यह है कि कांग्रेस उसको सपोर्ट करती रही है । यह कहना कि जनता दल. . . **(व्यवधान)**

श्री हंसराज भारद्वाज : (मध्य प्रदेश) : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । माथुर साहब आप अपने हृदय पर हाथ रख कर कहें. डा० जैन भी बैठे हैं **(व्यवधान)**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं कोई हार्ट पेशेंट नहीं हूं जो डा० जैन को दिखाऊं ।

श्री हंसराज भारद्वाज : मैं अगर कोई गलत बात कहूंगा तो हाथ जोड़ कर गिड़गिड़ा कर लूंगा । आप कृपया यह बताइये कि पिछली बार आपके एम०एल०ए० पी० के० चौधरी का रथ डांगी यूज कर रहे था या नहीं कर रहा था ? **(व्यवधान)** वह रथ आइये तो वो खड़ा है **(व्यवधान)**

श्री हंसराज भारद्वाज

दूसरी बात उसको जेल में किस लिये डाला गया? मिसेज माधवराव सिंधिया वहां खुद हांसी में गई, पब्लिक मीटिंग में कहा (व्यवधान) आप बोल क्या रहे हैं? (व्यवधान) आपके एम०एल०ए० को जेल में डाल दिया उस ने (व्यवधान) इसलिए आप डांगी को सपोर्ट... (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आज का विषय इससे संबंधित नहीं है (व्यवधान) एम०एल०ए० होते हैं आज़ाद होते हैं गड़बड़ कर लेते हैं (व्यवधान) हमारे सामने सवाल यह खड़ा हुआ है कि आखिरकार दोषी कौन है? हो सकता है कोई भी दल दोषी न हो जनता दल भी दोषी न हो कोई तीसरा निर्दलीय हो जो दोषी हो। मेरी मांग यह है थे आपसे सहमत नहीं हूं जो फ़ोतेदार साहब ने कहा कि मधु लिमये को गवर्नर बना दिया जाए मेरी सलाह यह है कि गवर्नर से रिपोर्ट मंगाई जाए कि वस्तुस्थिति क्या है। गवर्नर कोई भी हो आपके भी गवर्नर मैं जो आन्ध्र में क्या करके आए और केरल में क्या कर के आए (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : वह तो अब जनता दल में हैं राम लाल जी (व्यवधान)

श्री जगदीश प्रसाद माथर आपके सिखाए हुए हैं। गवर्नर से रिपोर्ट मंगाई जानी चाहिये। एक और बात जिसे कहने में गुरेज नहीं करूंगा वह यह है कि मदीना में पुलिस ने जो कुछ किया उसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है (व्यवधान) पुलिस किसी की भी हो किसी भी सरकार की हो अगर कांग्रेस की सरकार, हो तो भी निंदनीय है अगर चौटाला की सरकार हो तो भी निंदनीय है उसकी उचित इन्क्वायरी होनी चाहिये। यदि चौटाला जिम्मेदार ठहराये जाते हैं तो कानून से बच नहीं सकते और बचने नहीं देना चाहिये। लेकिन पहले से आरोप लगा क अमुक जिम्मेदार है, अमुक जिम्मेदार है यह भी गलत है। मैं इन्क्वारी की मांग करता हूं। लेकिन इतना जरूर कहना चाहता हूं कि पुलिस की इन्क्वारी से ही काम नहीं चलेगा कोई हायर इन्क्वायरी होनी चाहिये। इन शब्दों के साथ में अपनी पार्टी की तरफ़ से अपील करना करना चाहता हूं कि आज की स्थिति में जो चुनौती हमारे सामने खड़ी हुई है लोकतन्त्र को बचाने के लिए हम सब सहयोग दे राजनैतिक फ़ायदा उठाने की कोशिश न करें। जनता दल की सरकार को यह कह कर बदनाम करने की कोशिश करना अनुचित होगा। आप भी अपने गिरेबान में मुंह डाल कर देखिये कि आपने कौन कौन से पाप किये हैं। यह पापों को गिनने का मौका नहीं है लोकतन्त्र को बचाने का सवाल है कि हम लोकतन्त्र को कैसे बचाएं : लोकतन्त्र को बचाने के लिए हम सब एक ही आवाज से खड़े हो जाए इन्क्वायरी करें चाहे चौटाला दोषी हो या कोई दूसरा दोषी हो जो भी दोषी हो उसको सख्त से सख्त सज़ा दी जानी चाहिये। इतना कह कर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : (बिहार) : उपसभापति महोदया मेहम की घटना हिन्दुस्तान के गणतंत्र पर एक कलंक का टीका है। पिछले चार महीनों में महम में यह दूसरी घटना है। जिस वक्त पहली घटना महम मे घटी थी उस वक्त जितने भी मानवतावादी लोग मैं पी०यू०सी०एल० के लोग सिविल लिबर्टीज लोग इंडिपेंडेंट इनिशियेटिव लेने वाले बड़े बड़े रिटायर्ड जस्टिस वहां अपनी टीमें ले कर पहुंचे थे। उन्होंने इस सरकार को और जनता दल को खासकर देवीलाल जी को कहा था कि धृतराष्ट्र जी आप कम से कम दुर्योधन का मोह छोड़ दो और इस दुर्योधन के लिए इस मुल्क मे महाभारत मत खड़ी करो। पर दुर्भाग्य इस बात का है कि उनकी वह बात किसी ने नहीं सुनी और यह महाभारत चलता रहा एक तरफ़ टी०वी० में और दूसरी तरफ़ कुरुक्षेत्र में वहीं कुरूक्षेत्र का इलाका है जहां ये घटनाएं घट रही हैं... (व्यवधान) मेरा रोल तो मैं मैं बाद बताऊंगा आपको।

श्रीमती रेणुका चौधरी (आंध्र प्रदेश शरमाइये मत अभी सुना दीजिए।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : आपके लिए तो मैं कृष्ण बन जाऊंगा घबराइये मत।

महोदया, अभी कुछ देर पहले बी०जे०पी० के सदस्य बोल रहे थे। म उनको वह तस्वीर दिखा देता जब हमारे माननीय सदस्य जैन साहब, बी०जे०पी० की उपाध्यक्षा विजयराजे सिंधिया को लेकर जेल में अपने साथी एम०एल०ए० से मिलने गये थे। वह एम०एल०ए० कौन है? जिस एम०एल०ए० ने आनन्द सिंह डांगी की मदद की थी, इसलिए ओम प्रकाश चौटाला ने उसको जेल में बंद कर दिया था। वह कौन एम०एल०ए० है वह उस पार्टी का एम०एल०ए० है लाल कृष्ण आडवाणी जिसके अध्यक्ष हैं और सारे भारत में घूम घूमकर कह रहे थे, चंडीगढ़ और हरियाणा के क्षेत्रों को छोड़कर, सारे भारत में प्रचार कर रहे थे कि चौटाला को इस्तीफा दे देना चाहिए। अटल बिहारी वाजपेयी जी सारे हिंदुस्तान की बात छोड़ दीजिए न्यूयार्क में जाकर कह आये कि इस्तीफा दे देना चाहिए। पर आज जब मेहम की बात करनी हुई तो यहां बैठे हुए थे घर चले गये।

शर्म इस बात की आती है महोदया जब हमारे कम्युनिस्ट बधु जो जनतंत्र की बात करते हैं, गणतंत्र की आज जब हत्या हुई और हमने क्वेश्चन आवर को सस्पेंड करने की बात कही तो क्वेश्चन आवर में अपने सवालों को सुनना उन्होंने ज्यादा महत्वपूर्ण समझा और मेहम की जनता की आवाज सुनने के लिए उनके पास वक्त नहीं है।

एक माननीय सदस्य : आप मेरठ के हैं।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मैं सारे भारत का हूं। महोदया, बात यहां शुरू होती है कि हत्या कराई किसने? ओम प्रकाश चौटाला ने अपने बयान में कहा था और पूरा विश्व इस बात को जानता है कि मैं अपना पोलिंग एजेंट नहीं लगाऊंगा, मैं मेहम में मीटिंग करने नहीं जाऊंगा, मैं अपना काउंटिंग एजेंट नहीं भेजूंगा, इलेक्शन एजेंट नहीं बहाल करूंगा और मैं जीतकर दिखाऊंगा 17 हजार से। यह 17 हजार का आंकड़ा पता नहीं किस ज्योतिषी ने न्यूमरोलॉजी देखकर बनाया था और उसके बाद दरीबाकलां से अपनी एक सदस्या का इस्तीफा करा कर उनको राज्य सभा का मेम्बर बनाया और वह जगह खाली करा कर वहां से भी नामीनेशन किया। एक कांस्टीटुएंसी से जीत सकते थे तो फिर दूसरे से क्यों किया? मेहम इस देवीलाल परिवार के लिए, धृतराष्ट्र और दुर्योधन के लिए मूंछ की लड़ाई थी और इस मूंछ की लड़ाई के लिए उनको जरा से भी कहीं संदेह होता तो वे किसी न किसी कैंडीडेट को मारने के लिए तत्पर और तैयार बैठे थे। महोदया, यह सारा ड्रामा इसीलिए किया गया। जहां अमीर सिंह, एक कैंडीडेट की हत्या की गयी और लाश पायी गयी उसके नजदीक ही मूपूल, मुन्दल गांव थे...!

श्री कृष्ण कुमार दीपक (हरियाणा) : नाम तो ठीक बोलें।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : दीपक जी नाम आपसे मैं सीख लूंगा। आप ही ने देवीलाल जी को सिखाया आप हमें भी सिखा देंगे। इतनी कृपा तो आपने की कि हिसार के कालेज को छोड़कर आप यहां बैठे है सिखाने के लिए... (व्यवधान) मैं क्या करता रहा हूं वह बाद में बता दूंगा। महोदया, मुन्दल गांव में उन्होंने अपने स्कूल में एक जलसा रखा।

श्री कृष्ण कुमार दीपक: मुंडाल गांव।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : हां, जरा फ़र्क है। बिहारी सरदार हूं ना, फ़र्क है। कोई भी गांव हो, मुंडू गांव हो, पर उस गांव में ओम प्रकाश चौटाला ने अपना एक जलसा रखा और जिस वक्त इस हत्या की खबर मिली, तो जनता दल के केन्द्रीय दल को और किसी चीज की चिंता नहीं थी कि वहां ला एंड आर्डर सिचुएशन खराब हो सकती है, वहां और कुछ हो सकता है, ग उनके परिवार के सदस्यों से मिल कर उनको सांत्वना दें क्योंकि इनकी पार्टी का ही वह शैडो कंडिडेट था, डम्मी कंडीडेट था, यह कहते है पर इन्हें चिंता थी कि साहब दिखावे के लिए हथे दौड़ कर के पैरी शास्त्री से मिलना चाहिए और उनसे कहें कि साहब आप इस इलैक्शन को काउंटरमांड मत कर देना और सिर्फ़ उसको रेकार्ड करवाने के लिए वह दौड़ कर दिल्ली पहुंचे और

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया]
कर दिल्ली पहुंचे और यह रेकार्ड, रजिस्टर करवाया और इन्होंने ही नहीं बनारसी दास भी पहुंचे ।

SHRI KRISHAN KUMAR DEEPAK: Madam, he is misleading the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Your name is there. You can lead the House.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : यह तो खाली खबर दे देंगे । महोदया, यह कहते हैं कि वह डम्मी कैंडिडेट था पार्टी का और वह विदड्रा करना भूल गया । बड़ी छोटी चीज थी, जेब में कोई सामान रखा था, गिर गया, विदड्रा करना भूल गया ।

अगर वह आपका डम्मी कैंडीडेट था, तो उसने विदड्रा क्यों नहीं किया? मैं जहां तक जानता हूं कि जब डम्मी कैंडीडेट का नामिनेशन फाईल करवाया जाता है, उसी वक्त उससे विदड्रायल का लैटर भी ले लिया जाता है, जोकि पार्टी वाले बाद में जमा कर देते हैं । पर यह आपका डम्मी कैंडीडेट था जोकि विदड्रायल भूल गया और भूल करके कैम्पेन भी कर रहा था और उसको मार डाला ।

महोदया, यह सारा चक्कर उनका है और अब प्रचार कर रहे हैं कि सैकेंड जून तक अगर ओम प्रकाश चौटाला कहीं से एम०एल०ए० नहीं बना, तो वह मुख्य मंत्री नहीं रह सकता । यही कारण था उनके दो जगह से खड़े होने का—एक तो थी मूंछ की लड़ाई और दूसरी थी पूंछ की लड़ाई । वह पूंछ पकड़ कर वतरनी पार होना है, इन्होंने वह पूंछ पकड़ कर स्वर्ग का रास्ता पकड़ना है और वह पूंछ की लड़ाई दड़बा कलां में लड़ रहे हैं और मूंछ की लड़ाई को मेहम में हारने के डर में इन्होंने कैंडिडेट को मरवा दिया । (समय की घंटी) महोदया, जब किसी का कोई मेम्बर होता है **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have many names in my list.

SHRI S.S. AHLUWALIA: I understand, Madam. I am concluding.

उसी घटना के बाद... **(व्यवधान)**

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : बहुत से बोलने वाले हैं हमें भी बोलना है ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया आपकी भी सुनेंगे घबराते क्यों है? बात तो खत्म होने दो ।

श्री राम अवधेश सिंह : आपके तो जो मूंह में आता है ..... **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : वोट लेने के लिए तो देवीलाल के साथ खड़े हो गये, अब क्या बोलते हो ।

श्री राम अवधेश सिंह : हम लोग भी बोलेंगे । तुमसे बढ़िया बोल सकते हैं । सरकार के खिलाफ भी बोल सकते हैं; लेकिन सब समय आप ही ले लेंगे क्या?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : हम अपना समय ले रहे हैं, आपका नहीं ले रहे हैं मदीना गांव में पुलिस ने जो नरसंहार करने की कोशिश की—आनंद सिंह डांगी ने इलैक्शन कमीशन को कुछ नहीं तो सैकड़ों टेलीग्राम भेजे और सैकड़ों पेटीशन जमा किये कि इस बार मेहम में जो चुनाव होगा, उसमें अगर सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई और खास करके अगर हरियाणा की पुलिस वहां रही, तो हमारे साथ धक्का हो सकता है. यहां लोग मारे जा सकते हैं या लोग दहशत करे लूटे जा सकते हैं। तो कृपा करके बाहर की पैरा-मिलिटरी फोर्सेज को यहां पर तैनात किया जाए ।

अफसोस की बात है कि आनंद सिंह डांगी के लोगों को, उसके सारे लोगों को गिरफ्तार कर लिया, उनके सेंट्रल इलैक्शन आफिस में ताला लगा दिया । आज यह कहते हैं कि डांगी को अमीर सिंह से डर था, पर मैं कहता हूं कि डांगी से ओम प्रकाश चौटाला को डर था, इस कारण उसके पहले कार्यकर्ताओं को बंद किया, दफ्तर को बंद किया । जब उसमें भी वह सफल नहीं हुआ और देखता रहा कि उसका चलता रहा है, चुनाव प्रचार चल रहा है, बड़े जोरों से गांव-गांव में धूम मची हुई है, ओम प्रकाश चौटाला गांव में बिना पुलिस के घुस नहीं सकते

हैं। तब उन्होंने इस मर्डर केस में फंसाने की कोशिश की है और जब उसके गांव में उसको गिरफ्तार करने गए उस गांव के लोगों ने जब विरोध किया तो उन निहत्थे लोगों पर हरियाणा पुलिस ने बड़ी बर्बरता से गोली चलाई जिसमें तीन लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हैं। महोदया, इससे पहले महम के चुनाव पर इन्क्वायरी कमीशन बैठाया था, उसका कोई फल नहीं आया। महोदया, मैं आपके माध्यम से डिमांड करता हूं: पहला, इसकी इन्क्वायरी, पार्लियामेंट्री कमेटी के थ्रू हो। दूसरा, आज इसी वक्त हरियाणा असेंबली को डिजाल्व किया जाए और वहां प्रेसीडेंट रूल लगाया जाए तथा वहां फ्री एंड फेयर इलेक्शन की डिमांड करता हूं उसके साथ टाइम शड्यूल डिक्लेयर किया जाए कि वहां फ्री एंड फेयर इलेक्शन हो सके और साथ-साथ वह जो तीन लोग मारे गए हैं उनको एक-एक लाख रुपये कंपेनसेशन और जो वहां पर जख्मी हुए हैं उनको पचास-पचास हजार रुपये के कंपेनसेशन की मांग करता हूं। धन्यवाद।

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY (Andhra Pradesh) : Madam, a very sad incident has occurred. The killing of a candidate contesting an election is always a very sad incident because, India is not only practising democracy, but it is also guiding the destinies of various countries of the world on to the path of democracy. Further, non-violence has also been the creed of this country. That is why such an incident as this—the murder of an independent candidate contesting the Meham by election—is reprehensible and has to be condemned by all sections of the people, by all sides of the House.

But Madam, without going into the case, without proper investigations, nobody can say who is guilty of this ghastly crime. Threrfore, I am very very sorry at the haste with which the Oppositon is trying to raise the issue. The country is passing through very critical days, no doubt. This means, the attack of the vested interests also is going to be very wild. This is always to be taken note of.

In this case, the Chief Minister, Mr. Chautala, filed his nominations from two constituencies because he was afraid that such incidents may occur and elections may be countermanded. That is why, to be on the safe side, at the last minute, he decided to contest from Darba Kalan also. He filed his nomination from this constituency also Now, in Meham, an independent candidate has been murdered. Do you mean to say that this will improve his chances in the other constituency? I do not think. *(Interruptions)* Let us be quite clear. *(Interruptions)*

SHRI S. S. AHLUWALIA : Mr. N.T. Rama Rao contested from two constituencies and he lost in one constituency.

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: Why do you bring in that here ? *(Interruptions)* Yesterday, you obstructed the proceedings the whole day on a false news. The issue involved was the attempt to murder a respectable candidate. Investigations are going on. Things are going against you. *(Interruptions)*

It is very unfair. After all, rule of law and justice should be there. These should be the canons of democratic functioning. That is why,.. *(Time bellrings)* Madam, we condemn the murder and we want a thorough investigation to be made into this. There was a security guard provided to the dead candidate, but the security guard himself disappeared. This is a very grave matter. This should be gone into thoroughly. What happened to the security arrangements ? Why should the guard be missing ? Who is behind all this ? It is not a simple mundane issue. There should be a big hand behind all these incidents. That is why a thorough enquiry has to be conducted and we should know facts. The guilty must be properly punished. At the same time, I oppose the type of charges which the Opposition is trying to lead against Mr. Chautala who, we know, is popular in Haryana. We had been to Haryana during the general elections and I was surprised at the cent per cent support which the Haryana people were giving to the Janata Dal....

SEVERAL HON. MEMBERS : Very good.

DR. G.VIJAYA MOHAN REDDY : These are facts. That is why, Madam, everybody is interested that guilty should be punished. Thank you.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Shri Suresh Kalmadi. I again request the Members who are bieng called to be a little brief because I have to accommodate everyone.

SHRI SURESH KALMADI: Madam, what we have witnessed in Haryana yesterday and in the previous elections is really going back to barbaric times and the reign of terror which has been unleashed by the ruling party in Haryana

[Shri Suresh Kalmadi]

is indeed shocking and a matter of deep shame. My friend, Mr. Reddy, said that the Opposition was in a haste. It is not that the Opposition is in a haste; it was the cover-up which was done at Meham yesterday in a haste and I am really surprised that the ruling party did not want to suspend the Question Hour along with their constituents, including the Telugu Desam, CPI (M) and BJP.

Madam, what we are witnessing in Haryana today is a gross misuse of the police and along with the police, creating a reign o terror on the people. Madam, you are aware of the gruesome murder of one independent candidate yesterday. There are news reports that the last person seen talking to him yesterday was Mr. Abhay Singh, who is the grandson of Mr. Devi Lal. He was the last person who was seen speaking to him. I am sure in the enquiry which will follow, Mr. Abhay Singh will be cross-examined. We are aware of the case that took place when Mr. Abhay Singh's wife died and there was a total cover-up and the family of the victim was tackled. Similarly, here the deceased's family was also tackled in a haste and a statement got out from them too. This also should be investigated.

Madam, the reign of terror is not restricted to people from the opposition parties. Even you might have heard that Swami Agnivesh has been charged under section 302 three days back for a previous murder. So against all those who are anti-Chautala, cases have been registered. irrespective of the party to which they belong. Whether it is Mr. P.K. Chaudhury of the BJP or Swami Agnivesh, cases have been registered against them and an attempt made to muffle all the people in order to ensure the victory of Mr. Chautala. Madam, through you, I would seek protection for Mr. Anand Singh Dangi also. You are aware of the police firing outside his house which has been captured in photographs published in various newspapers today. I would, through you, request that full protection should be given to him till such time as he is elected in free and fair election, if at all he is elected.

Madam, I would also like to state that yesterday feverish activity took place in Delhi and, as is reported in the press, Mr. Devi Lal went to met Mr. Ajit Singh and Mr. Sharad Yadav to cover up the entire case. That is part of the cover-up. What is most surprising....

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : How can he make wild allegations like that ? He is the Deputy Prime Minister and he goes and meets two Cabinet Ministes. He did not ask for your advice or infrom you that he was going for this. This is casting aspersions. You can say whatever you want to. But you cannot accuse. You are not doing justice then. You are making an acusation. Then you substantiate. Let Mr. Kalmadi say how he knows that Mr. Devi Lal went for this. (*Interrruptions*)

SHRI M. M. JACOB : When Mr. Kalmadi is seaking, you cannot dictate what he should speak.

SHRI SURESH KALMADI : I agree with my good friend, Shrimati Renuka, that he might have gone to discuss about many otner topics with Mr. Ajit Singh and Mr. Sharad Yadav. But I would be surprised if, when such a gruesome murder has taken place in Maham, Mr. Devi Lal has gone there to discuss all the other things except Meham. I am really surprised about it. I am just feeling whether in the normal circumstances he would be discussing anything else except that. Would he have gone there to cool down Mr. Ajit Singh and Mr. Sharad Yadav, not to make any statement today or not to go to Meham today ? Is it not the case ? (*Interruptions*)

Madam, finally, I am very very surprised at the stony silence of the hon. Prime Minister on this issue. He is yet to speack about what happened in Meham last time, at thte time of the last election, and again this time. I hope that when he comes back from his U.P. trip today, he will go to Meham tomorrow and make a first -hand study and accept the demand made by all sections of the House that this Government should be immediately dismissed so that a free and fair enquiry can be conducted.

I endorse the view of the previous speakers who spoke from these Benches that there should be a parliamentary delegation to go and make an on-the-spot study. There should be free and fair elections. The Assembly elections are coming. I endorse the point made by Mr. Fotedar that the Government must be changed. Madam, we should take this very seriously. A statement should be made by the Government today on what exactly is happening there and whether they intend to dismiss the Choutala Government today itself.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (UTTAR PRADESH) : Madam Chairman, almost all the speakers agree that today is a day of shame. But it is really

a day of greater shame for the Government of the day because it is the job of the Government to protect the citizens in all circumstances to the best extent possible.

It is also a matter of shame for the Government today. They lost for the second time a vote in Parliament The first time they lost it in the other House, and today they have lost the vote here. I wonder whether the Parliamentary Affairs Minister owes some explanation on how the National Front Government is taking Parliament in such a casual manner when they know that such an important issue has already been publicised and that there would be a furore in the House, but the Members are not present in sufficient strength. I am only telling you. This is after all Parliament. I am not telling you what you should do with your Parliamentary. Affarirs Minister. But this is something you must think about.

Madam Deputy Chairman, I also share with some Members that I do not know who is responsible for this murder. I am not in a position to say whether it was done by Mr. Chautala or anybody else.

PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE (West Bengal) : Not even you ?

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : I am not sure. I sometimes know what is happening in Bengal.

But I would say that if a Government cannot prevent such an incident, that the body of a candidate in an election is thrown on the street, riddled with bullets then, such a Government does not deserve to exist, and it should be dismissed. Even if Mr. Choutala is not responsible for this murder, even if the Janata Dal is not behind this conspiracy, even then, I would say that the mere fact that a candidate in an election has been found dead in this manner shows that the Government has ceased to function and cannot discharge its constitutional responsibility. (*Interruptions*).

SHRIMATI RANUKA CHOWDHURY : In Amethi that is what happened. (*Interruptions*).

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : Madam, I hope you will give Shrimati Renuka also a chance to speak. (*Interruptions*).

SHRI S. K. T. RAMACHANDRAN : You know what happened to the Telugu Desam. (*Interruptions*).

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Don't worry about the Telugu Desam. You worry about yourself. (*Interruptions*).

SHRI S.K.T. RAMACHANDRAN (Tamil Nadu) : Why are you talking of Amethi ? (*Interruptions*).

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Mr. Subramanian Swamy is very correct. A man who cannot protect candidates will go. That is why they have been shifted to that side. In Amethi the same story happened. (*Interruptions*).

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Well many of the Congress (I) people here are now your leaders. So, you will have to be very careful.

I also don't agree that any inquiry should be conducted. What is the use of an inquiry? The Prime Minister with all moral fervour and with occasional glances at the gallery said that the *India Today* cassette is being referred for immediate action. This he said last session. Nothing has happened on it. We heard public statements by leaders of the Janta Dal that the PAC, Political Affairs Committee, or whatever it is, is going to take action. Nothing has happened. Mr. Chautala had already appointed an inquiry on the last Meham episode. Nothing has happened. So, what will another inquiry do? Consequently I do not think it is a question of holding an inquiry and finding out the technical aspects—who did what and at what time. The issue is that of murder of democracy. That issue affects not only Mr. Chautala, but the National Front Government's credibility itself, because the National Front Government has come into existence with a frand on democracy in the Lok Sabha elections and the pattern has continued. Therefore, I think, the only way which can satisfy us as to what really happened there, is to have a Parliamentary delegation go and visit the place and have a report placed before Parliament.

SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR (Maharashtra): I really rise to speak in anguish on this issue. I had a very happy thought that the Government itself would come out to suppot such a move that a thorough inquiry through the Parliamentary machinery should be made.

I personally feel a time has come when this Parliament and, particulalry, this House must assert itself constitutionally and according to the Constitution. There

[Shri Bhaskar Annaji Masodkar] is a feeling—and this feeling was shared not only by the Opposition, but also by the parties who are supporting the Government—that this Government can overlook violence, this Government can support violence and it becomes lame duck when violence comes to the surface. The way this Government had dragged its feet on the issue of Cahutala and violence in Meham, when the first violence came to notice, is fresh in the minds of the people. Now comes the murder of a campaigning candidate. It is irresistible for me to submit that this Government is not interested in peace, but is carrying on, what you call, small petty politics in a State like Haryana. My submission to this House is that we should invoke Article 355 of the Constitution. My submission is that that Article gives power to the Union. It not only gives the power, but also speaks of the duty of the Union. I read:

> "To ensure that the Government of every State is carried on in accordance with the provisions of the Constitution ..."

This is the time to understand that affairs of Haryana are not being carried on in accordance with the provisions of the Constitution. There has to be a free and fair election; there has to be protection; there has to be security of life to an individual. Here we find absolutely everything has been undermined. What more evidence is necessary for this Government that a stage has come when Article 355 should be invoked? If this Government is dragging its feet, I would merely say that not only Mr. Chautala should resign, but the Government should also come down and resign itself. It is high time that we speak openly on this subject. (*Interruptions*)

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: If people don't want you to rule, who is going to rule this country?

SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR: This is not a question of people. This is a question of the Constitution.

SHRI S. S. AHLUWALIA: She does not know what is Constitution.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Facts have not been established.

SHRI S.K.T. RAMACHANDRAN: First you resign. We will see what will happen. People will throw you out... (*Interrutions*. ...)

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: We will come, don't worry. ..(Interruptions)..We know what is happening in Andhra.

SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR: Madam Deputy Chairman, the lady Member from the South does not understand what the Constitution talks. ...(*Interrpptions*) ....

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: I am a secular Indian. Now you say something.

SHRI M.M. JACOB: He is not from the North. He is from Maharashtra.

SHRI V. NARAYANASAMY: Pondicherry:) Is she giving a running commentary? The Minister is there to reply. Ask her to keep quiet.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is very little time left. So please make your point and don't discuss about educational qualifications and schools of the Members.

SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR: I never discussed. I was referring to article 355 and my demand along with what has been said by the Leader of the opposition is that really a stage has been reached when a Government of this type must come down. They should have voluntarily tendered their resignation. At least the Home Minister should have come out with the resignation at the incident that has occurred So, Madam, the only point I wanted to make and add to the submissions which my learned colleagues have made is that it is not enough if we demand the resignation of the State Chief Minister but we must demand the resignation of the Home Minister and if necessary of the entire Government at the Centre. With these words, I again emphasise that this is a national shame and we must all share it with anguish.

श्री कृष्ण कुमार दीपक : मोहतरमा, मैं आपका मशकूर हूं कि आपने मुझे अपनी बात कहने का मौका दिया लीडर आफ दि अपोजीशन ने आज महम में हुई मौत का मसला इस हाऊस में उठाया है और उस पर बहुत से दोस्तों ने कुछ बातें कहीं हैं उनमें से बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्होंने शायद अमीर सिंह का नाम आज ही सुना हो, शक्ल देखना तो दूर की बात रही वह पिछले सात बरस से मेरे दोस्त थे इसलिए मुझे निजी सदमा भी है इस बात का कि क्यों उनकी मौत हुई और आज उनकी मौत के बारे में यहां जो जिक्र

किया जा रहा है, उसमें शामिल होना मैं अपना फर्ज समझता हूं और जो आपकी तरफ से हमदर्दी का इजहार उनके लिए किया गया और जो बातें कहीं गई, उसके लिए मैं उनकी तरफ से आपका शुक्रिया अदा करना अपना कर्तव्य समझता हूं।

महोदया, मैं यह कहना चाहता हूं कि न सिर्फ आज बल्कि आज से पहले भी महम के बारे में इतनी गलत-बयानी की गई है कि लगता है कि सच्चाई गलत-बयानी के परदे में छिपकर रह गई है उसकी असलियत क्या है, क्या नहीं है? जो बातें 27 और 28 फरवरी को हुई, उनका जिक्र करना मैं आज मुनासिब नहीं समझता हूं क्योंकि हाई-कोर्ट के एक जज को इस बात के लिए मुकर्रर किया जा चुका है कि इसकी इन्क्वायरी करो मेरे कुछ दोस्तों ने उसका जिक्र किया वह इन्क्वायरी हो रही है जो भी सच्चाई होगी, वह सच्चाई आप सब लोगों के सामने आ जाएगी जहां तक कल की मौत का संबंध है ... **(व्यवधान)**

श्री माखन लाल फोतेदार : मौत नहीं कत्ल है कत्ल।

श्री कृष्ण कुमार दीपक : कत्ल कह लीजिए, शुक्रिया। जहां तक कल के कत्ल का जिकर है, अमीर सिंह के कत्ल से किसको फ़ायदा हो सकता था, यह एक सोचने का मुद्दा है। ओमप्रकाश चौटाला को कत्ल का कोई फ़ायदा नहीं पहुंच सकता था। जिस समय लीडर आफ़ हाऊस ने एक बात कही है, मैं माफ़ी चाहूंगा उनको कंट्राडिक्ट करते हुये, बुजुर्ग हैं, सीनियर नेता हैं, बीजू पटनायक के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि मेहम का इलैक्शन हर हालत में काउण्टर मंड होगा। ऐसी बात कम से कम हमे याद नहीं पड़ती कि कहीं कही गयी हो। उन्होंने यह जरूर कहा कि जब उनसे कुछ प्रेस वालों ने यह सवाल पूछा कि आप दो जगह से इलक्शन क्यों लड़ रहे है तो उन्होंने कहा कि मेरा वास्ता बहुत धूर्त किस्म के लोगों से पड़ा है, ग्रुप से पड़ा है, वह कुछ भी कर सकते हैं, किसी भी हद पर जा सकते हैं, इसलिये मुझे दो हलकों से इलैक्शन लड़ना पड़ रहा है और इस बात का अंदेशा था, इस बात का खतरा था कि कोई भी बात मुमकिन हो सकती है और इसीलिये ओमप्रकाश चोटाला ने खास तौर से इलैक्शन कमीशन को कहा था कि वह सैंट्रल फ़ोर्सेज की देखरेख में सैंट्रल ऑफ़िसर्स की मदद से वहां चुनाव करवायें और इस बात का ख्याल रखें कि पूरे तरीके से अमन और चैन के साथ वहां पर चुनाव हों।

जहां तक यह कहा गया कि प्रोटेक्शन देना सरकार की जिम्मेदारी थी सरकार की ओर से प्रोटेक्शन दी गयी। आपने दो-तीन दिन पहले अखबारात में पढ़ा होगा कि इस बात की चर्चा आयी, इस बात का जिकर आया, इस बात को लिखा गया अखबारों के अंदर कि जो हरियाणा गवर्नमेंट की तरफ़ से प्रोटेक्शन दी गयी है, जो पुलिस प्रोवाइड की गयी है कैंडीडेट को वह कैंडीडेट के मूवमेंट को रोकने के लिये दी गयी है। अजीब बात है, अगर प्रोटेक्शन दी जाती है तो भी सरकार गुनहगार है, अगर प्रोटेक्शन नहीं दी जाती है तो भी सरकार गुनहगार है। जहां तक मेहम के कैंडीडेट का संबंध है, मेहम के तमाम कैंडीडेट जितने भी थे इन तमाम उम्मीदवारों को एक-एक बॉडी गार्ड मुहैया किया गया था और इस बात की वाकई इंक्वायरी होनी चाहिये कि वह उस वक्त कब अलग हुआ अमीर सिंह से, कब उसकी मौत हुई। जो मेरे एक दोस्त ने कहा कि आखरी वक्त पर इनके साहबजादे भी मिले, तो यह एक गलत बात है। अखबार की खबर को, अखबार की बात को लेकर, अखबार में जो चीज आयी है उसको लेकर यहां पर उसकी चर्चा करना, हाऊस में ज़िक्र कर देना यह कोई मुनासिब बात नहीं है, जब तक कि उसकी इंक्वायरी न की जाये, अच्छे तरीके से समझ न लिया

[श्री कृष्ण कुमार दीपक]

जाये, उसको जान न लिया जाये। वैसे ही एक चीज छप जाये, जरूरी तौर पर वह ठीक नहीं हो सकती कि वही एक सच्चाई हो। सच्चाई को जानने से पहले.... (व्यवधान) और भी एक बात कही गयी कि मि० पी० के० चौधरी को इसलिये जेल में डाल दिया गया कि उन्होंने डांगी साहब की मदद की थी। बहुत अजीब बात है, बाकायदा एक केस पुलिस में आज से एक डे साल पहले रजिस्टर्ड है और बाकायदा इक्वायरी हो रही है और केस चल रहा है और अदालत उसका फ़ैसला करती है आप यहां राज्य सभा के अंदर यह कहा जा रहा है कि चूंकि डांगी को मदद की थी इसलिए उसको सजा दी। यह कुछ अजीब बात लगती है, एक अदालती फैसला है। एक अदालती फ़ैसले के बारे में भी इस तरह की बात अगर कही जायेगी तो कुछ वाजिब नहीं है।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : अदालती फ़ैसला तो सम्पत सिंह के खिलाफ़ भी है। सम्पत सिंह से कहो कि इस्तीफ़ा दे। होटल में जो कब्जा करके रखा था सम्पत सिंह ने, उनको बोलो कि इस्तीफ़ा दो, अदालती फ़ैसला है उसके खिलाफ़।

श्री कृष्ण कुमार दीपक : एक बात कही गयी कि डांगी का गांव था मदीना और मदीना पुलिस गयी। शायद लोग इस बात को भूल गये कि मदीना सिर्फ़ डांगी का ही गांव नहीं है मदीना अमीर सिंह का भी गांव है। अमीर सिंह का गांव ही नहीं है बल्कि मदीना गांव का सरपंच अमीर सिंह का भाई है। यह वही भाई है जिसने डांगी के भाई को हराया है। यह उनका जाती मामला था जाती दुश्मनी थी उनका पालिटिकल झगड़ा भी चल रहा था... (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : जसा रणजीत चौटाला का भाई है क्या वैसा ही भाई है? (व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार दीपक : कौन इससे इन्कार करता है। भाई से कोई इन्कार नहीं कर सकता। (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : उसी भाई ने इस्तीफ़ा दिया है चौटाला के कारनामों पर ... (व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार दीपक : राजनीति और भाई में फ़र्क हो सकता है। राजनीति में कोई कुछ भी कह सकता है। कोई भी आमने-सामने बैठ कर बात कर सकता है। आप इधर आ सकते हैं हम इधर जा सकते हैं कोई ऐसी बात नहीं है। (व्यवधान) वहां पर जो कुछ हुआ है मैं इस बात का जवाब देने की कोशिश कर रहा था। कुछ लोगों ने यह कहा कि क्यों नहीं नाम विदड्रा किया जब कि वह कवरिंग कंडीडेट था। अमीर सिंह जनता दल का एक पुराना वर्कर था। हमारा पुराना साथी था। वह मार्किटिंग कमेटी का चेयरमन रहा। वह स्टेट मार्किटिंग बोर्ड का मैम्बर रहा। अगर उसने नाम विदड्रा नहीं किया इसलिये नहीं किया कि वह डांगी को यह बताना चाहता था कि डांगी अपने गांव के अंदर क्या है उसका गांव से सम्बन्ध क्या है। वह अपने लिए वोट मांग रहा था। (समय की घंटी) महोदया यह मेरी पहली स्पीच है। आप बोलने दीजिए।

उपसभापति : और दूसरे मैम्बर भी हैं बोलने के लिए।

श्री वीरेन्द्र वर्मा : (उत्तर प्रदेश) : हरियाणा के रहने वाले हैं और उनकी मैडन स्पीज है। (व्यवधान)

श्री विश्वजित पृथ्वीजित सिंह : (महाराष्ट्र) : क्या आप सहमत हैं? क्या आप उनकी बात से सहमत हैं? (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र वर्मा : उनकी मैडन स्पीच है। उनको और समय दिया जाए। (व्यवधान)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, there is not much time. Everybody should talk on this. There is no question of who comes from which part.

श्री वीरेन्द्र वर्मा : यह कितना ही बोले हैं उनसे आधा टाइम भी इन्होंने नहीं लिया (व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार दीपक : यहां कहा गया कि चीफ मिनिस्टर को गिरफ्तार किया जाए, चीफ मिनिस्टर को इस्तीफा देना चाहिए, चीफ मिनिस्टर को यह करना चाहिए, वह करना चाहिए तो इसका मतलब यह है कि किसी भी अदालती कार्रवाई पर आप यकीन नहीं करते, किसी ऐसी चीज पर पर आप को विश्वास नहीं है आप यह चाहते हैं कि आप जो यहां फैसला करें वही लागू होना चाहिए हरियाणा सरकार ने एक हाई पावर आफिसर्स कमेटी नियुक्त कर दी है जो बाकायदा इस बात की इंक्वायरी कर रही है कि कत्ल किन हालात में हुआ, किसने किया और जिसने कत्ल किया, जो इसके लिए जिम्मेदार है उसको पूरी-पूरी सजा मिल सकेगी वहां तक मेरा शक है (व्यवधान) मैं यकीन के साथ कह सकता हूं .... (व्यवधान) आप तो बोलते रहते हैं, आपको रोजना सुनते हैं कभी-कभी हम को भी मौका लेने दीजिए बोलने का (व्यवधान) आप चुप रहिये, आप नहीं सुनना चाहते तो मत सुनिये (व्यवधान) मैं कह रहा था कि जो मेहम के अंदर हुआ है, हमें इस बात का पूरा शक है, इस बात की अफवाहें हैं कि हो सकता है कुछ वैस्टेड इंस्टरेस्ट यहीं की यहां कार्रवाई दरीबा कलां में करें मैं पूरे यकीन के साथ कह रहा हूं, विश्वास के साथ कह रहा हूं, इस प्रकार की बात वहां काफी फैल रही है कि वहां भी कत्ल हो सकता है, लॉ एंड आर्डर डिस्टर्ब हो सकता है, और भी कुछ हो सकता है (व्यवधान)

SHRI M. M. JACOB : Is the Chief Minister planning something for Darba Kalan ?

श्री कृष्ण कुमार दीपक : मैं इस बात की मांग करता हूं कि जितने भी वहां कंडीडेटस हैं जिनमें ओम प्रकाश चौटाला भी शामिल है, उन सब को पूरा-पूरा प्रोटेक्शन दिया जाए जैसा चौटाला साहब ने कहा कि अमन और शांति से इलेक्शन हो इसके लिए पूरी-पूरी जिम्मेदारी इलेक्शन कमीशन ले और इलेक्शन कमीशन अपनी देखरेख के अंदर अपनी निगरानी के अंदर वहां पर नाक्र कराये और नहीं तो किसी भी प्रकार की घटना घट सकती है कोई गलत बात हो सकती है जिसके लिए बाद में पछताना पड़ सकता है। धन्यवाद ।

SHRI VISHVJIT P. SINGH : Madam Deputy Chairman, I dohn't even wish to reply to anything that Mr. Deepak has said. Mr. Deepak has tried to justify the actions of the Chief Minister of Haryana, of the Home Minister of Haryana, of the Government of Haryana, of the Janata Dal in Haryana and of the Central Government and his words speak for themselves. We have with our own eyes seen video-tapes of what has happened last time. We have with our own eyes seen what has happened in the films which have been taken by the newsmen. We have with our own ears heard eye-witness accounts, read in the newspapers, eye-witness accounts of what had happened in the past. Therefore, there is no point in what Mr. Deepak has said. We know that one of the magazines in the country had gone even to the extent of saying that Mr. Chautala has no way out. He is going to lose Meham and the only way out for him is if some independent candidate dies and that has happened. Madam, my point is slightly different from what everybody else has been saying in this House. Yesterday it was not just Mr. Amir Singh of Madina village who died, but there were two other individuals from the same village who also died yesterday evening. One was Mrs. Yashwanti, a 16-year-old married girl who had not even enjoyed one night of conjugal bliss. She had yet to be taken to her bridal home. ....(*Interruptions*) . What is there to laught at ? Is it anything to be laughed at ? ....(*Interruptions*).. She had yet to be taken to her bridal home, but she was killed in police-firing. Kishan Singh, a 45-year-old man was also killed in police-firing. A shameful, reprehensible incident took place yesterday when a large party of the Haryana police led by two S.Ps. having a large number of guns and high-powered weapons surrounded Madina village at 6-20 P.M. yesterday. Over one thousand rounds were fired in the environs of the house of Shri Anand Singh Dangi. Three persons died yesterday in Madina village and six more are lying in the hospital. They are on the death-bed and they are going to die. ....(*Interruptions*).... I am sorry, they are in a critical condition ; that's why I have said so.

SHRI V. NARAYANASAMY : Don't laught. ....(*Interruptions*).... Why are you laughing ? Are you not ashamed of it ? You are laughing at it ? ....(*Interruptions*)....

SHRI VISHVJIT P. SINGH : Never in the annals of independent India has a complete village been surrounded by a police-party and fired upon. Madina village was surrounded yesterday by the Haryana police led by two senior officers. Firing was done. A number of people were injured. This is an incident which is unparalleled and this is an incident which has shown that the Government has completely broken down. Not only the Government has completely broken down, but the anti-social elements have become the police themselves. When the police themselves, when the Government itself, wage war upon their own people- I charge the Haryana Government with having done this yesterday, at 6-20 P.M., an incident which, according to me, is unrivalled—it is the most reprehensible and horrible incident which needs condemnation by this entire House and it is because of that, I say that we must demand the dismissal of the Haryana Government. We must demand a parliamentary probe of all parties, and I am sure when I say "all parties", no matter what you say here, when you go to Madina village, I will assure you that your heads will hang down in shame and your heads will not be able to lift themselves. You will yourself condemn what has happened there.

1.00 P.M.

Madam, I demand furthermore that this Government must immediately take action. The Central Government must make its intentions quite clear immediately and today, just now, should dismiss the State Government. Thank you, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Today, let us adjourn for lunch at 1 o'clock.

The House stands adjourned till 2-30 P.M. today.

The House then adjourned for lunch at one minute past one of the clock.

The house reassembled after lunch at thirtyone minute past two of the clock, **The Deputy Chairman** in the Chair.

REFERENCE TO THE COUNTERMENDING OF BYE-ELECTION IN MEHAM DUE TO MURDER OF A CANDIDATE—contd.

SHRI M.M. JACOB: Madam, I have a submission to make. This is Private Members' time and I am fully aware of it. But in Meham an atrocious murder took place. In fact, in Meham the murder took place of a candidate who stood for election. It is that which makes the issue more serious. We are all concerned not only about one candidate was murdered but about the very survival of democracy in this country. The very survival of democracy in this country is the basic factor. Actually the murder which took place was not of a candidate but of democracy. Therefore, we want to continue the same discussion, the same discussion, the same important discussion, today suspending Private Members' business.

SHRI MADAN BHATIA (Nominated): This is not merely a murder of a candidate. It is the murder of a candidate to murder democracy in India. This is such a serious matter that it cannot be ignored by the highest forum of democracy in this country. It is a challenge to all the democratic norms and the entire socalled value-based politics of this party stands exposed before the countrymen. It is very importan and....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : Madam Deputy Chairman,....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have heard it; there is no need to make another speech. I have heard him. ...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Let us concede the Opposition's demand. and let us have a discussion. I request the Government to concede it. Since in the morning there was a discussion on it, there was voting on it, on this issue let us not divide ourselves. Let us agree to continue the discussion.

SHRI P. SHIV SHANKER: I wish you had said this in the morning.

SHRI KAMAL MORARKA : The atrocity of Meham is not lost on anybody. Mr. Madan Bhatia has made a very theatrical presentation about murder of democracy.... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is not in my hands to suspend any business. If the Members so desire, I have no objection. But I would request Members, it is Private Members' business which we are suspending. You are a private Member. He is also a Private Member. Let him also have his word. Then we may start the discussion. Let us not get into arguments on this.

SHRI KAMAL MORARKA: At least don't murder democracy here in the House. I wish to appeal to the Opposition, if Meham should be taken up, I